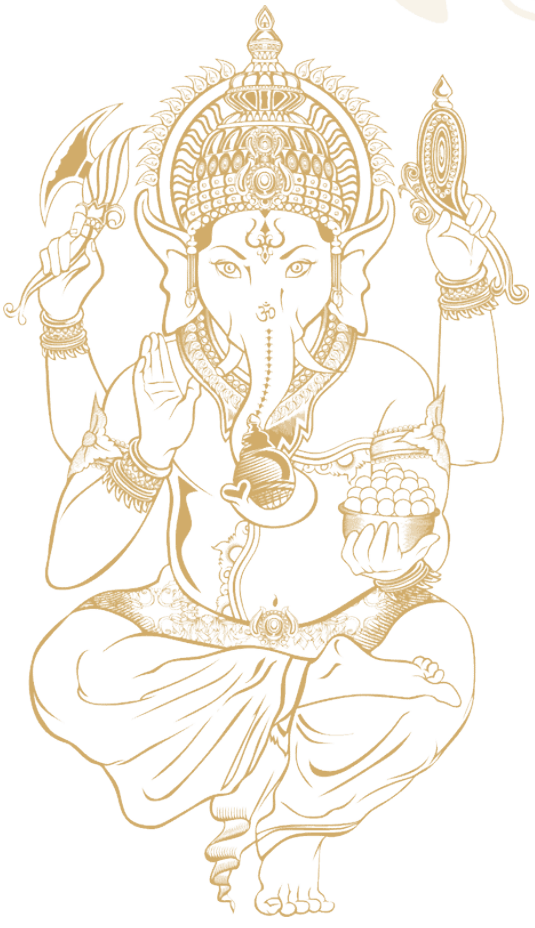

# Menak

# Anshu sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121784903

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग : | लिंग | : स्त्रीलिंग |
| 27/05/1993 : | जन्म तिथि | : 01/02/2001 |
| गुरुवार : | दिन | : गुरुवार |
| घंटे 22:38:00 : | जन्म समय | : 10:03:00 घंटे |
| घटी 43:05:23 : | जन्म समय(घटी) | : 06:49:36 घटी |
| India : | देश | : India |
| Hoshiarpur : | स्थान | : Pathankot |
| 31:30:00 उत्तर : | अक्षांश | : 32:16:00 उत्तर |
| 75:59:00 पूर्व : | रेखांश | : 75:43:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व : | मध्य रेखांश | : 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:26:04 : | स्थानिक संस्कार | : -00:27:08 घंटे |
| घंटे 00:00:00 : | ग्रीष्म संस्कार | : 00:00:00 घंटे |
| 05:23:50 : | सूर्योदय | : 07:21:31 |
| 19:22:52 : | सूर्यास्त | : 18:00:19 |
| 23:46:09 : | चित्रपक्षीय अयनांश | : 23:52:04 |

| विंशोत्तरी<br>बुध 1वर्ष 6मा 0दि<br>सूर्य | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी<br>शुक्र 19वर्ष 4मा 13दि<br>सूर्य | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 26/11/2021<br>27/11/2027 | | 28:39:52 | धनु | लग्न | मीन | 14:14:54 | 16/06/2020<br>16/06/2026 | |
| | | 12:38:33 | वृष | सूर्य | मक | 18:30:52 | | |
| | | 28:49:23 | कर्क | चंद्र | मेष | 13:45:14 | | |
| | | 21:22:50 | कर्क | मंगल | तुला | 28:48:17 | | |
| सूर्य | 16/03/2022 | 26:06:30 | वृष | बुध | कुंभ | 06:04:36 | सूर्य | 03/10/2020 |
| चन्द्र | 15/09/2022 | 11:01:00 | कन्या व | गुरु | वृष | 07:23:59 | चन्द्र | 04/04/2021 |
| मंगल | 20/01/2023 | 27:39:42 | मीन | शुक्र | मीन | 04:43:21 | मंगल | 10/08/2021 |
| राहु | 15/12/2023 | 06:24:32 | कुंभ | शनि | वृष | 00:14:25 | राहु | 04/07/2022 |
| गुरु | 02/10/2024 | 18:25:25 | वृश्चि | राहु | मिथु | 21:17:41 | गुरु | 23/04/2023 |
| शनि | 14/09/2025 | 18:25:25 | वृष | केतु | धनु | 21:17:41 | शनि | 04/04/2024 |
| बुध | 22/07/2026 | 28:01:49 | धनु व | हर्ष | मक | 26:28:03 | बुध | 08/02/2025 |
| केतु | 27/11/2026 | 27:04:15 | धनु व | नेप | मक | 12:37:13 | केतु | 16/06/2025 |
| शुक्र | 27/11/2027 | 00:01:11 | वृश्चि व | प्लूटो | वृश्चि | 20:50:59 | शुक्र | 16/06/2026 |

**लग्न-चलित**

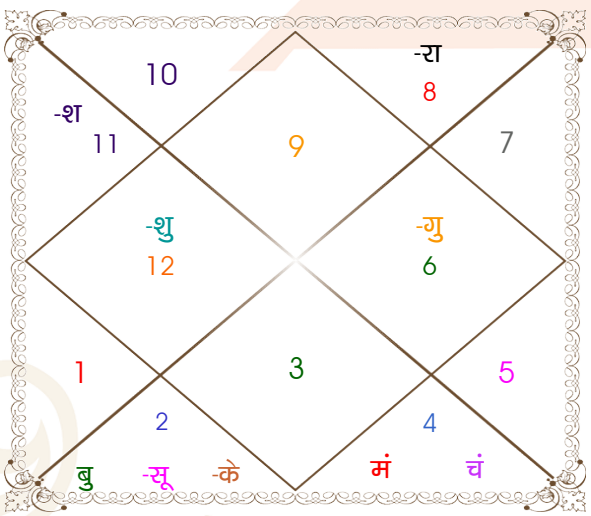


**लग्न-चलित**

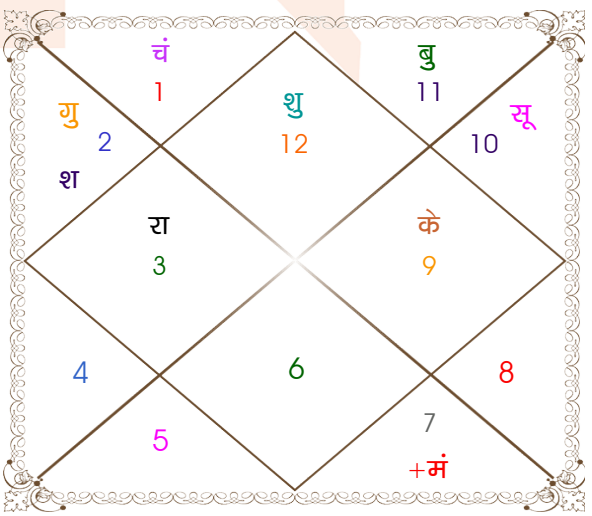

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | विप्र | क्षत्रिय | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | जलचर | चतुष्पाद | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | मित्र | विपत | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | मार्जार | गज | 4 | 3.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | चन्द्र | मंगल | 5 | 4.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | राक्षस | मनुष्य | 6 | 0.00 | हाँ | सामाजिकता |
| भकूट | कर्क | मेष | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | मध्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 25.50 | | |

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

डमदां  का वर्ग श्वान है तथा ।दीन ेंितउं  का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डमदां  और ।दीन ेंितउं  का मिलान अत्युत्तम है।

### मंगलीक दोष मिलान

डमदां  मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।**

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल  डमदां  कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।**
**न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र डमदां  कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

।दीन ेंितउं  मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**

**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ।दीन्र्ोतउं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डमदं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डमदं तथा ।दीन्र्ोतउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।